

महासागरीय के नितल पर जमा होने वाले असंगठित अवसादों को महासागरीय निक्षेप कहते हैं। ये धरातलीय अपरदन, ज्वालामुखी उद्गार, सागरीय जीवों व वनस्पतियों द्वारा प्राप्त होते हैं। नदियाँ व पवन शक्ति परिवहन करते हैं। महासागरीय निक्षेप के विषय में मरे तथा रेनार्ड ने कई शोध किए हैं।

Source and Classification of marine deposit

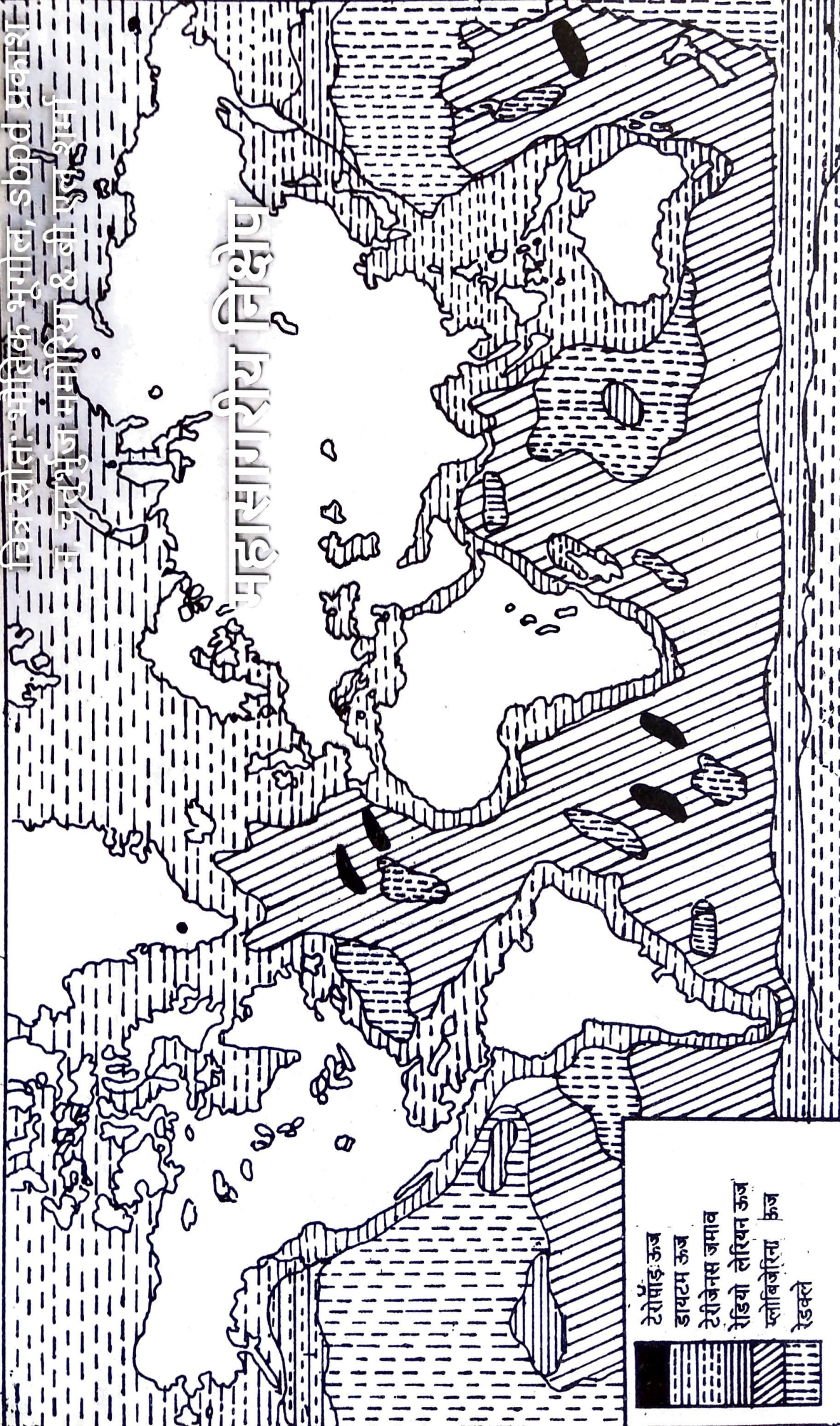
- स्थलीय या भूमिज निक्षेप -
 - 1) बजरी Gravels
 - 2) रेत Sand
 - 3) सिल्ट Silt
 - 4) मृत्तिका Clay
 - 5) पंक -
 - a) नीली पंक Mud
 - b) हरी पंक
 - c) लाल पंक
- ज्वालामुखी पदार्थ तथा निक्षेप
- जैविक पदार्थ तथा निक्षेप -
 - 1) जैरेटिक निक्षेप Neretic Deposit
 - 2) पेलैजिक निक्षेप -
 - A) चूना प्रधान ऊज Pelagic Deposit
 - B) टेरोपाड ऊज
 - C) ग्लोबेजेरिना ऊज
 - D) सिलिका प्रधान ऊज
 - E) रेडियोलैरियन ऊज
 - F) डायटम ऊज
- अजैविक / अकार्बनिक पदार्थ तथा निक्षेप -
 - 1) लाल मृत्तिका
 - 2) उल्का धूस

स्थलीय / भूमिज निक्षेप Terrigenous Material

ये धरातलीय अपरदन तथा अपरदन द्वारा प्राप्त पदार्थ होते हैं। कणों के आकार, अनावट तथा रासायनिक संगठन के आधार पर स्थलीय पराधों को बजरी, रेत तथा पंक में विभाजित करते हैं। पंक के कण आकार में मृत्तिका से छोटे होते हैं। रंग के आधार पर इन्हें नीला, लाल व हरे पंक में विभक्त करते हैं। इनमें चूने की मात्रा अधिक होती है। पंक शांत जल में रासायनिक अपरदन की क्रिया द्वारा निर्मित होते हैं।






नीले पंक - लौह सल्फाइड व आक्साइड
 लाल पंक - लौह आक्साइड
 हरी पंक - पोटैशियम के सिलिकेट व लोहा (लोहा 7-8%)

कण	आकार / व्यास	कण	आकार / व्यास
Granule	2-3 mm	} बजरी	Sand
Pebble	4-63 mm		Silt
Cobble	64-256 mm		clay
Boulder	256 + mm		



चित्र स्रोत: भौतिक भूगोल, 8th प्रकाश
म. चतुर्भुज मॉरिया & बी एच शर्मा

महासागरिय निक्षेप

 टेट्रोपाईड ऊज
 डायटम ऊज
 टेट्रोजेनस जमाव
 रेडियो लेरियन ऊज
 प्लोबिजेरिया ऊज
 रेडक्ले

2. ज्वालामुखी निक्षेप

ज्वालामुखी से प्राप्त का अपरदन के कारणों द्वारा सागरों में निक्षेप होता है। इनका जमाव नीली पंक के समान होता है। इसका रंग भूरा तथा काला होता है, जिसमें क्वार्टज की अपेक्षा लावा की मात्रा अधिक होती है।

3. जैविक पदार्थ

इन्हें कार्बनिक पदार्थ भी कहा जाता है। इसके अंतर्गत जीवों के आस्थिपंजर वनस्पतियों के अवशेष से प्राप्त पदार्थों को सम्मिलित किया जाता है। इनके दो वर्ग हैं -

A) तट तलवासी Negetic Matters; महाद्वीपीय मग्नलों पर पाए जाने वाले जीव-जन्तुओं के अवशेष निक्षेप को नेगेटिक पदार्थ कहा जाता है।

B) अगाध सागरस्थ पदार्थ Pelagic Matters; सागरीय मैदानों तथा गर्तों में पाए जाने वाले जैविक पदार्थों के निक्षेप को Pelagic Matters कहते हैं। इन्हें Ooze ऊज भी कहा जाता है। यूना तथा सिखिका की मात्रा में आधार पर इन्हें दो उपकों में बाँट सकते हैं -

1) यूना प्रधान ऊज - a) टेरापोड ऊज b) ग्लोबिजेरिना ऊज

टेरापोड ऊज - मोलस्का संघ के जीवों के कैल्सियमयुक्त कवचों के जमाव को टेरापोड ऊज कहा जाता है। इसमें कैल्सियम कार्बोनेट 80% तक पाया जाता है।

ग्लोबिजेरिना ऊज - ग्लोबिजेरिना नामक जीवों के अवशेषों के निक्षेप को ग्लोबिजेरिना ऊज कहते हैं। इसमें कैल्सियम की मात्रा 64% होती है।

11) सिखिका प्रधान ऊज - a) रेडियोलेरियन ऊज b) डायटम ऊज

रेडियोलेरियन जीवों के अवशेष निक्षेप को रेडियोलेरियन ऊज तथा डायटम नामक सूक्ष्म पौधों के अवशेष निक्षेप को डायटम ऊज की छाना प्रधान की जाती है। इनमें सिखिका अंश की प्रधानता होती है।

4. अकार्बनिक पदार्थ

पेलैजिक निक्षेपों में लाल मृत्तिका सबसे महत्वपूर्ण है। इसमें एल्युमिनियम के सिलिकेट एवं लोहे के आक्साइड सर्वाधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं।

प्रायः सभी सागरों के गहनतम भागों में लाल मृत्तिका पायी जाती है।

इसका धूल अंतरिक्ष से प्राप्त होती है। इस धूल में लोहे के कण अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। जब इसका मिश्रण लाल चीका से हो जाता है तो पहचानना मुश्किल हो जाता है। इसका जमाव कम महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बहुत मंद गति से होता है।

उपरोक्त निक्षेपों के प्रसार के कारणों का

अच्छा वायुमण्डल से अन्य अकार्बनिक पदार्थ - कार्बिक पदार्थ, घातक पदार्थों का निक्षेप मुक्त पदार्थ व अन्य जहरीले पदार्थ व प्रदूषक महासागरों को अक्षुण्णित बना रहा है।